प्रारंभ में किया गया उपचार।
Early Intervention

साएकोसिस (psychosis) के प्रारंभ में किए गए उपचारों Early Intervention में यह शामिल होता है कि ः

- साएकोसिस के पहले दौरे का जल्दी पता लगाना और उसका इलाज करना।
- रोग के अहम समय के दौरान इलाज जारी रखना।
- साएकोसिस के दोबारा होने का (रीलैपस) जल्दी पता लगाना और उसका इलाज करना।

1 . साएकोसिस के पहले दौरे का जल्दी पता लगाना और उसका इलाज करना।
Early detection of treatment of the first-episode of psychosis:

काफी खोज यह साबित करती है कि जिन लोगों पर साएकोसिस के दौरे का असर पड़ता है उनके इलाज में अकसर बहुत देरी हो चुकी होती है।

यह देरी हर व्यक्ति के लिए अलग अल्ग होती है पर साएकोसिस के लक्षणों के शुरू होने से लेकर उनके सही इलाज के समय तक के बीच लगभग एक साल से ज़्यादा more than a year का अन्तर होता है। इलाज से पहले का लम्बा समय व्यक्ति और उसके परिवारजनों के लिए तनाव, रोज़ की ज़िन्दगी में मुश्किलें और और रोग के पश्चात्त होने वाली तकलीफों development of secondary problems में काफी बढ़ाव करता है।

कुछ सुबूत evidence यह साबित करते हैं कि अगर इलाज करने में बहुत ज़्यादा देरी हो जाए तो बिमारी पर इलाज का कम असर होता है।

यह पाया गया है कि इलाज होने में देरी का सीधा नाता ठीक होने में देरी और पूरी तरह से ठीक न होने से जोड़ा जा सकता है। यह भी देखा गया है कि अगर साएकोसिस के लक्षण इलाज होने से पहले बहुत देर तक रहें हों तो रोग के बुरे विकास और वापिस आने (रीलैप्स) का खतरा बढ जाता है।

2. रोग के अहम समय के दौरान इलाज।
Sustained treatment during the first-episode of psychosis:

साएकोसिस शुरू होने के बाद कुछ सालों का समय अहम समय “crucial period” होता है। इस समय में समाजिक और निजी अयोग्यता पैदा होने की सम्भावना सब से ज़्यादा होती है। डिप्रैशन, नौकरी न होना, घर न होना, समाजिक सहारों का कम होना decreased social support, नशों की लत और खुद कुछ करने की भावना का कम होना loss of self esteem यह सब इस अहम समय के दौरान बहुत तेज़ी से होता है। जितनी ज़्यादा देर इन ज़रूरतों को देखा न जाए उतना ही मुश्किल होता है उनका इलाज करना या बाद में उनसे निपटना।

साएकोसिस के प्रारंभ के बाद के कुछ सालों में रोग के पश्चात पैदा हुई मुश्किलों secondary problems का एकदम इलाज किया जाए तो लम्बे समय तक अच्छा नतीजा प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए प्रारंभ में किया गया उपचार सिर्फ पहले दौरे का इलाज ही नही है। बल्कि इसमें इलाज ज़ारी रखना भी शामिल होता है ताकि अयोग्यता पैदा होने की रोकथाम की जाए और ज़िन्दगी का स्तर बेहतर किया जाए।

3. साएकोसिस के दोबारा होने का (रीलैपस) का जल्दी पता लगाना और उसका इलाज।

Early detection and treatment of any psychotic relapses:

जो व्यक्ति साााएकोसिस के पहले दौरे का अनुभव कर रहे हों उनके लिए रीलैप्स का खतरा ज़्यादा होता है। इस अहम समय में इलाज ज़ारी रखने से रीलैप्स का खतरा कम किया जा सकता है पर हटाया नहीं जा सकता।

इसी लिए यह ज़रूरी है कि रोग के फिर दोबारा होने के चिंहों से सचेत रहा जाए और जल्दी उपचार करके रीलैप्स के खतरे को जहाँ तक हो सके खत्म किया जाए या फिर उसकी तीव्रता को कम किया जाए।

इलाज और साएकोसिस के होने के बीच की अवधि जितनी घटा दी जाए उतने ही रोग से अच्छे होने के आसार बढ़ जाते हैं।

प्रारंभ में किये गए उपचार के लाभ।
Benefits of Early Intervention

प्रारंभ में किये गए उपचार के संभव लाभों में ये शामिल हैं ः

- रोग के पश्चात आने वाली सम्सयाओं और स्कूल/काम में गड़बड़ में कमी आती है।
- समाजिक सहारे और समाजिक मेलजोल को कायम रखना।
- अस्पताल जाने की उतनी ज़रूरत न पड़ना।
- जल्दी ठीक होना और रोग के विषय में अच्छी भविष्यवाणी।
- परिवार में कम परेशानी होना और तनाव का भी कम होना।
- साएकोसिस रोग इलाज की विरोधतता के कम योग्य रह जाता है और रीलैप्स का खतरा कम हो जाता है।

12/7/2004